24/09/25 अभियुक्तगण उप राजपेशकार
8५५ मुताबिक इकबाली जवाब पेश
प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है विस्तृत
निर्णय पृथक से लिखवाकर पत्रावली
किया गया। अभियुक्त [illegible] के अधिवक्ता
[illegible] [illegible] प्रस्तुत किये। [illegible]
जमानत [illegible] जाती है पत्रावली [illegible]
की [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

Signature Not Verified
Digitally signed by Swati Gupta
Date: 2025.10.15 11:28:26 IST
Reason: SelfAttested